03.02.18 को रेमंड ग्राउंड, थाने में रोटरी इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3142 वार्षिक सम्मेलन के अवसर पर माननीय लोक सभा अध्यक्ष का भाषण

1. रोटरी पिछले 110 वर्षों में विश्व के तमाम देशों व शहरों में लाखों लोगों एवं तीस हजार से ज्यादा क्लब के माध्यम से समाजसेवा की अटल सोच के साथ कार्य कर रही है। रोटरी का Motto है service over self. यह स्वयं ही मानवीय मूल्यों की श्रेष्ठता को दर्शाता है। यह संस्था मन, वचन एवं कर्म सभी रूपों में ''वसुधैव कुटुम्बकम्'' की अवधारणा को चरितार्थ करती है। इस संस्था का multidisciplinary perspective इसको कई तरीके से अलग बनाता है।

2. यह संस्था जीवन को किस प्रकार उत्तम तरीके से जिया जाए, कैसे जन–कल्याण हो, प्रतिभाएं निखरें, सब पढ़े–लिखें एवं सुयोग्य एवं सुसमृद्ध नागरिक बनकर इस पृथ्वी को एक habitable place बनाए, इस दिशा में संस्था निरंतर काम कर रही है।

3. जैसे संगीत के सात स्वर उसको परिपूर्ण करते हैं वैसे ही सम्पर्क, संसाधन, सोच, सहयोग, समूह, साथ व सकारात्मकता से सात 'स' समेटे Rotary अपने में ही एक शक्ति है जो निश्चय ही राष्ट्र के विकास में अपना योगदान देती आई है। हमारे देश में सभा, समिति के माध्यम से प्राचीन काल में और सिविल सोसायटी के

विभिन्न घटकों द्वारा समय–समय पर विकास के लिए काम किया है। चाहे वेलूर में रामकृष्ण मिशन हो या दयानन्द ऐंग्लो वेदिक सोसायटी (DAV Society) सभी ने समाज में क्रांतिकारी परिवर्तन लाया।

4. कई बार कोई संगठन श्रेष्ठ कार्य करता है और कई बार कोई व्यक्ति ही संगठन की शक्ति रखता है। इस बार पद्मश्री से सम्मानित सुभाषिनी की चर्चा मैं जरूर करना चाहूंगी जिन्होंने अकेले विषम परिस्थितियों में संघर्ष करते हुए एक अस्पताल खोल दिया। उनके प्रेरणा की सिर्फ यह भावना कि कोई उनके गांव में बिना इलाज के न रह जाए, प्रशंसा योग्य है। अनेक संस्थाएं जैसे रामकृष्ण मिशन, चिन्मय मिशन, तिरूमला तिरूपति देवस्थानम, ज्ञान प्रबोधिनी आदि भी इसी प्रकार के जनकल्याणकारी कार्य कर रही हैं।

5. Rotary मूलतः विश्व में भलाई के कार्य को जमीनी स्तर पर लागू करने के उद्देश्य से निम्नलिखित पांच क्षेत्रों में काम करती हैः–

क. समाज में शांति और सौहार्दपूर्ण वातावरण

ख. स्वास्थ्य एवं उनसे संबंधित विषय

ग. स्वच्छ पेयजल

घ. मातृ एवं शिशु की देखभाल

ड. शिक्षा में भागीदारी और

च. स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देना।

6. हमारी वर्षों पुरानी सभ्यता और संस्कृति में आदिकाल से विभिन्न झंझावातों को सहते हुए अपने अस्तित्व को बनाए हुए है। यहां पर मुझे प्रख्यात चिंतक एंव

साहित्यकार गुरू रविन्द्रनाथ टैगोर की पंक्तियां याद आ रही हैं :– ''We survived as a civilization for so long because some core needs of the citizen were met by the Society without dependence on the Govt. We have a long tradition of philanthropy in our country. ''

7. रोटरी टीबी मुक्त भारत, पल्स पोलियो टीकाकरण, स्वच्छ पेयजल, शिक्षा, गरीबों के लिए घर आदि कई मूलभूत क्षेत्रों में काम कर रहे हैं।

8. हमारे जैसे विकासशील देश में राष्ट्र निर्माण सभी के सामूहिक प्रयासों से ही संभव है। In recent days, we have seen that Govt. programmes like Swatch Bharat Mission, ODF, Beti Bachao Beti Padhao have been successful because of the initiative and involvement of the common man. Rotarians have played major role in doing so.

9. जब हम राष्ट्र निर्माण की बात सोचते हैं तो हमारे मन में एक विकसित राष्ट्र की कल्पना आती है जिसमें अपनी संस्कृति और संस्कारों को समेटते हुए रोटी, कपड़ा और मकान की मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति के साथ–साथ नागरिकों के उत्तम शिक्षा व स्वास्थ्य, proper infrastructure, employment avenues, environment protection जैसे तमाम विषय मन में आते हैं।

10. मेरा यह मानना है कि राष्ट्र निर्माण सिर्फ सरकार नहीं कर सकती। इसके लिए जन–जन को आगे आना होगा और अपनी भूमिका को समझना होगा। तभी एक मजबूत अर्थव्यवस्था बनेगी और उससे आगे के सभी रास्ते खुलेंगे।

11. भारत 65 प्रतिशत से अधिक युवाओं वाला देश है। हर युवक देश के लिए अपार शक्ति व संभावना का प्रतीक है। सरकार के साथ–साथ समाज की भी यह जिम्मेदारी है कि उनकी कर्मठता एवं शक्ति सही दिशा में संचालित हो। ऐसा तभी संभव है जब वे कोई हुनर सीखें और आर्थिक तौर पर मजबूत बनते हुए परिवार और देश के लिए योगदान दें।

12. रोटरी एक सशक्त, सबल, समझदार एवं समर्पित लोगों का समूह है। वे सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाएं यथा स्टार्ट अप इंडिया, स्टैंड अप इंडिया और मेक इन इंडिया जैसे अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने वाले कार्यक्रमों को अपेक्षित गति दे सकते हैं। आपसे हमें बहुत अपेक्षाएं हैं।

13. हम सब जानते हैं कि आजकल पर्यावरण ह्रास एवं जलवायु परिवर्तन एक बहुत बड़ा संकट बनकर उभरा है। घटते जंगल, पिघलती बर्फ, बढ़ता जल संकट ये सब मानव जाति के समक्ष गंभीर चुनौती पैदा कर रहे हैं। राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मंचों पर नीतियां बन रही हैं परंतु मेरा मानना है कि इसकी पूर्ण सफलता तभी संभव है जब हम अपने दैनिक जीवन में भी पर्यावरण के प्रति सचेत हों। आप सरकार के National Action Plan for Climate Change के तहत भी जनजागरूकता फैलाकर उर्जा के विभिन्न रूपों के संरक्षण का संदेश जन–जन तक

पहुंचा सकते हैं। आशा है कि वर्ष 2022 तक हम 1.75 गीगा वाट renewable energy पैदा करने में सक्षम हो सकेंगे। यह तभी संभव होगा जब रोटरी भी इन कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भागीदारी निभाए। मुझे पता चला है कि आपने अपनी डिस्ट्रिक्ट को पेपरलेस बनाने का प्रयास किया है। यह सराहनीय कदम है।

14. आज विश्व में कई देश Sustainable Development Goals के तहत 17 गोल्स और 169 टारगेट्स निर्धारित कर सामाजिक, आर्थिक, पर्यावरण की दिशा में समावेशी विकास वर्ष 2030 तक पूर्ण करने के प्रति प्रयत्नशील हैं। ये SDGs people centric हैं। इनमें हमारा पहला लक्ष्य गरीबी उन्मूलन है। यह अवधारणा प्रख्यात विचारक एवं मार्गदर्शक पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के एकात्म मानववाद का ही एक प्रतिरूप है। मुझे विश्वास है कि देशभर में फैले रोटरी क्लब्स एवं प्रबुद्ध रोटैरियन्स मिलकर इस लक्ष्य को निश्चय ही प्राप्त करेंगे।

15. समाज कल्याण की दिशा में रोटरी क्लब एवं इनके सदस्यों की भूमिका महत्वपूर्ण रही है। शास्त्रों में वर्णित हैः–

"अष्टादश पुराणेषु व्यासस्य वचनद्वयम्।
परोपकारः पुण्याय पापाय परपीडनम्।।"

तात्पर्य यह है कि परोपकार से बड़ा कोई पुण्य नहीं और दूसरों को पीड़ा पहुंचाने से बड़ा कोई पाप नहीं।

16. वर्ष 1944–45 में टेलर द्वारा दिया गया रोटरी का 4 way test – Is it true; Is it fair to all concerned; Will it build goodwill and better

friendship, Will it be beneficial to all concerned, हमारे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी के Talisman से मिलता–जुलता है।

17. ऐसी संस्थाएं हमारे समाज के उन उदार पहलुओं को प्रस्तुत करती हैं जो हमारे अन्दर उन गुणों को आत्मसात करने में हमारी मदद करती है जिससे हम विश्व नागरिक बन सकते हैं।

18. आप सभी यहां आए एवं मुझे आशा है कि अगले दो दिन, आज और कल आप और हम लोग मिलकर रचनात्मक एवं सकारात्मक चर्चा करेंगे। उन चर्चाओं से हम सबको लाभान्वित होने का मौका मिलेगा।

––––